



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... *The Tribune*.....

दिनांक 4.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 7-8

HAU ANNOUNCES EXAM DATES

Hisar: Chaudhary Charan Singh Agricultural University, Hisar, has announced the examination dates for admission to postgraduate and PhD courses. An official spokesperson for the university said in the wake of the coronavirus pandemic, the examinations would be held online on September 6, 9, 12 and 16, while adhering to the social distancing norms. Candidates would be contacted on their mobile number and email id, if needed. "If a candidate does not submit the information sought by the university within the stipulated time period, he/she will not be allotted a seat in the first counselling," he said. The dates for the second counselling will be issued separately. He said there would be no change in the terms and conditions related to admission and reservation in the university brochure.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब के सरी

दिनांक ५. ९. २०२० पृष्ठ संख्या २ कॉलम १-५

कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा किया

हिसार, ३ सितम्बर (ब्यूरो): प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा धान की सीधी बिजाई वाले खेतों

का दौरा किया गया, जिसमें यह बात निकल कर सामने आई है। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जहां धान की सीधी बिजाई की गई

है, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दौरा किया गया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कहू किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देरेखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों

का दौरा करने वाली टीम में सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. मुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष कंबोज शामिल थे।

प्रदेश के इन क्षेत्रों में हुई है धान की सीधी बिजाई

डॉ. पूनिया ने बताया कि भूमि जलस्तर में निरंतर गिरावट व मजदूरों की कमी के चलते हकुमि के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन से प्रदेश के काफी किसानों ने सीधी बिजाई की थी। रतिया, फतेहाबाद, यमुनानगर, कैथल, असंध क्षेत्र में ५ से १० प्रतिशत क्षेत्रफल में सीधी बिजाई की गई है। सस्य विज्ञान

विभाग के वैज्ञानिकों ने हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, रतिया व रानियां क्षेत्रों का दौरा किया गया। रतिया क्षेत्र के गांव महमदकी व अन्य गांवों में किसानों ने अपने खेतों में ८५ से १०५ एकड़ तक धान की सीधी बिजाई की गई थी। गांव ढाणी माजरा, महमदकी, भिरापुर, बाजेका, झोरङ्नाली आदि गांवों के किसानों ने धान की

सीधी बिजाई को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में बकाने रोग की समस्या बिल्कुल भी नहीं आई, जबकि कहू किए गए खेतों में बीज उपचार के बावजूद यह समस्या देखने को मिली है। किसानों ने यह भी बताया कि अगले साल से वे सारे खेत में धान की सीधी बिजाई ही करेंगे।

धान की सीधी बिजाई का करें अवलोकन : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों से आळान किया है कि उन्होंने स्वयं क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान करनाल में धान की सीधी बिजाई पर कई वर्षों तक अनुसंधान कार्य किया है तथा किसानों के खेतों में धान की सीधी बिजाई करवाई है। इसके फायदों को देखते हुए उन्होंने सभी किसानों से अनुरोध किया है कि वे अपने गांव या आस-पास के क्षेत्र में सीधी बिजाई वाले धान के खेतों का अवलोकन करें तथा इसके फायदे जानें। अपने गांव या आस-पास के क्षेत्र में सीधी बिजाई वाले धान के खेतों का अवलोकन करें तथा इसके फायदे जानें। अगले साल ज्यादा से ज्यादा धान की सीधी बिजाई करें।

पानी के साथ-साथ पैसे की भी बचत

किसानों के अनुसार प्रदेश सरकार की मेरा पानी मेरी विरासत योजना को धान की सीधी बिजाई सार्थक सिद्ध कर रही है। धान की सीधी बिजाई से न केवल धान की पौध तैयार करने से रोपाई तक के खर्च की लागत जो कि करीब 5000 से 7000 रुपए प्रति एकड़ है, वह बच जाती है बल्कि पैदावार भी कम नहीं होगी। इसके अलावा सीधी बिजाई वाले खेतों में 20 से 30 प्रतिशत तक पानी की भी बचत होती है। जिन किसानों ने पहले सीधी बिजाई की थी और किसी आशंका के चलते दोबारा से खेत तैयार कर कहू विधि द्वारा रोपाई की थी, वे अब अगले वर्ष धान की सीधी बिजाई करने के पक्ष में हैं।



कृषि वैज्ञानिक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया व उनकी टीम धान के खेत का निरीक्षण करते हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... ऊभारउजाता

दिनांक ५. १. २०२० पृष्ठ संख्या । कॉलम ६.४

एचएयू के कृषि मेले पर कोरोना का संकट, ऑनलाइन आयोजन पर विचार

अमित भारद्वाज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की तरफ से सितंबर में आयोजित किए जाने वाले कृषि मेले (रबी की फसल) पर कोरोना महामारी के कारण संकट के बादल छाए हुए हैं। हालांकि विविध प्रशासन इस बार ऑनलाइन मेले का आयोजन करने के विकल्प पर विचार कर रहा है। स मेले में प्रदेश के अलावा आसपास के राज्यों के किसान भी आते हैं। मेले में किसान कृषि क्षेत्र की नई तकनीकों से रुबरू होते हैं। उन्हें बीज भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

बता दें कि एचएयू की तरफ से साल में दो बार कृषि मेलों का आयोजन किया जाता है। एक खरीफ की फसल के लिए और दूसरा रबी की फसल के लिए। खरीफ की फसल वाला मेला मार्च में और



रबी की फसल वाला मेला सितंबर में आयोजित किया जाता है।

दूसरे राज्यों से भी आते हैं किसान: दो दिनों तक लगने वाले इस मेले में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान व उत्तरप्रदेश से 50 हजार से ज्यादा किसान आते हैं। मेले के दौरान विविध द्वारा लाखों रुपये का बीज बेचा जाता है। इससे पहले कोरोना महामारी के कारण खरीफ की फसल वाला कृषि मेला भी रद्द कर दिया गया था। इस मेले को लेकर विवि ने पूरी तैयारी भी कर ली थी। मगर आखिरी वक्त पर विवि को मेला रद्द करना पड़ा।

मेले का मकसद

- कृषि मेले में कृषि वैज्ञानिक किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान करते हैं।
- मेले में प्रगतिशील किसानों को भी आमंत्रित किया जाता है, जो अन्य किसानों को भी आधुनिक खेती करने के लिए प्रेरित करते हैं।
- मेले में निशुल्क मिट्टी व पानी जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।
- कृषि उपकरण बनाने वाली कंपनियां अपने स्टाल लगाकर नवीनतम तकनीकों को प्रदर्शित कर किसानों को अवगत कराती हैं।
- मेले के दौरान ही विवि द्वारा आगमी फसलों के बीजों की बिक्री की जाती है।

“

अभी तक मेले को रद्द करने को लेकर अंतिम फैसला नहीं किया गया है। हम इस बार ऑनलाइन मेले के आयोजन के विकल्प पर भी विचार कर रहे हैं। रबी की फसल के बीजों की बिक्री को लेकर बाद में किसानों को बता दिया जाएगा कि बीज कहां उपलब्ध होंगे।

- प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... रुक्मिणी ला.....

दिनांक ५. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ३.७

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम

अमर उजाला व्यूरो

हिसार। प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। एचएयू के कृषि हरियाणा कृषि वैज्ञानिकों ने सीधी विश्वविद्यालय विजाई वाले क्षेत्रों का (एचएयू) के दौरा कर दी जानकारी कृषि वैज्ञानिकों द्वारा धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया गया, जिसमें यह बात निकलकर सामने आई है।

विश्वविद्यालय के सम्यविज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर पूनिया ने बताया कि कृषि वैज्ञानिकों ने अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। जिन किसानों



कृषि वैज्ञानिक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया व उनकी टीम।

ने कददू करने की बजाय धान की सीधी बिजाई की थी और समय पर ठीक से देखभाल की। उन किसानों का कहना है कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कददू किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने

को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली टीम में कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व डॉ. मनीष शामिल थे।

इन क्षेत्रों में की गई बिजाई डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि भूमि जलस्तर में निरंतर गिरावट व मजदूरों की कमी के चलते एचएयू के मार्गदर्शन से रतिया, फतेहाबाद, यमुनानगर, कैथल, असंध (करनाल) क्षेत्र में 5 से 10 प्रतिशत क्षेत्रफल में सीधी बिजाई की गई है। रतिया क्षेत्र के गांव महमदकी व अन्य गांवों में किसानों ने अपने खेतों में 85 से 105 एकड़ तक धान की सीधी बिजाई की गई थी। गांव ढाणी माजरा, महमदकी, मिर्जापुर, बाजेका, झारडनाली आदि गांवों के किसानों ने बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में बकाने रोग की समस्या बिल्कुल भी नहीं आई, जबकि कददू किए गए खेतों में बीज उपचार के बावजूद यह समस्या देखने को मिली है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दैनिक जागरूक

दिनांक ५. ९. २०२० पृष्ठ संख्या २ कॉलम ४-६

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम : डॉ. सतबीर

भास्कर न्यूज़ | हिसार

प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया, जिसमें यह बात सामने आई है। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह



पूनिया ने बताया कि कृषि वैज्ञानिकों ने दौरा किया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने कह करने की बजाय धान की सीधी बिजाई की थी और समय पर ठीक से

देखभाल की थी, वे किसान खुश हैं। उन किसानों का कहना था कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कहूँ किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली टीम में सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष कंबोज शामिल रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

निवाप वृक्षो मृत् २१५२८

दिनांक ३: ९: २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम : डॉ. पूनिया

कृषि वैज्ञानिकों ने
धान की सीधी बिजाई
वाले क्षेत्रों का दौरा
कर दी जानकारी



वैज्ञानिकों ने किसानों का कहना था कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कहूँ फिर गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दीरा करने वाली टीम में सभ्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. मतवीर सिंह पूनिया ने बताया कि कूलपति प्रौद्योगिक समर सिंह के निर्देशानुसार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जहां धान की सीधी बिजाई की गई है, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दीरा किया गया और अब तक धान की कफल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि बिन किसानों ने कहूँ करने की बजाए धान की सीधी बिजाई की थी और समय पर टीक से देखा भाल की थी,

प्रदेश के इन क्षेत्रों में की गई है धान की सीधी बिजाई डॉ. मतवीर सिंह पूनिया ने बताया कि भूमि जलस्तर में निरंतर गिरावट व मजदूरों की कमी के चलाने चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभ्य

विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिकों के मानदण्डन से प्रदेश के कामी किसानों ने सीधी बिजाई की थी।

रतिया, फतेहाबाद, यमुनानगर, केशल, अमरसंग्रह के ५ से १० प्रतिशत क्षेत्रफल में सीधी बिजाई की गई है। सभ्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिकों ने हिमाय, सिरसा, फतेहाबाद, रतिया व गणिय क्षेत्रों का दीरा किया गया। रतिया क्षेत्र के गांव महमदकोट व अन्य गांवों में किसानों ने अपने खेतों में 85 से 105 एकड़ तक धान की सीधी बिजाई की गई थी। गांव द्वारी माझरा, महमदकोट, गिरीषपुर, याजेका, झोरडगाली आदि गांवों के किसानों ने धान की सीधी बिजाई को लेकर अपने अनुभव माझा सिद्ध कर रही है। धान की सीधी बिजाई

वीसी प्रो. समर सिंह बोले, धान की सीधी बिजाई का करें अवलोकन

विश्वविद्यालय के कूलपति प्रौद्योगिक समर सिंह ने किसानों से आहुति किया है कि उन्होंने स्वतंत्र लोकीय अनुसंधान संस्थान करताल में धान की सीधी बिजाई पर कई वर्षों तक अनुसंधान करवा किया है तथा किसानों के खेतों में धान की सीधी बिजाई करवाई है। उसके फलस्वरूपों को देखते हुए उन्होंने मध्य किसानों से अनुरोध किया है कि वे अपने गांव या आम यास के क्षेत्र में सीधी बिजाई वाले धान के खेतों का अवलोकन करें तथा इसके फलस्वरूप जानें। गिरते जल स्तर व धान उत्पादन की व्याही लागत को ध्यान में रखते हुए उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि अपले साल न्याया से न्याया धान की सीधी बिजाई करें।



करते हुए बताया कि सीधी बिजाई वाले से न केवल धान की पीढ़ तैयार करने से धान में बढ़ाने रोग की समस्या विलकूल संपर्क तक के खर्च की लागत जो कि भी नहीं आई, जबकि कहूँ किए गए खेतों में योजना उपचार के बावजूद यह समस्या देखने को मिली है। किसानों ने यह भी कम नहीं होगी। इसके अलावा सीधी बिजाई वाले खेतों में 20 से 30 प्रतिशत तक धान की सीधी बिजाई हो करेंगे।

पानी के साथ-साथ पैसे की भी व्यवहार : किसानों के अनुसार प्रदेश सरकार, जो मेरा पानी मेरी विवासन योजना को धान की सीधी बिजाई सार्थक सिद्ध कर रही है। धान की सीधी बिजाई विजाई वर्ष में है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
पांच बजे

दिनांक 3.9.2020 पृष्ठ संख्या.....
कॉलम.....

हक्किं के कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा कर दी जानकारी

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम : डॉ. पूनिया



पांच बजे ब्लॉग

हिसार। प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा किया गया, जिसमें यह घात निकलकर सामने आई है। विश्वविद्यालय के सभ्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सत्येंद्र सिंह पूनिया ने घाताया कि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के निर्देशन सहर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जहां धान की सीधी बिजाई की गई है, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दौरा किया गया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने घाताया कि जिन किसानों ने कददू करने की बजाए धान की सीधी बिजाई की थी और सभ्य पर ठोक से देखभाल की थी, वे किसान खुश थे। उन किसानों का कहाना था कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कहूँ किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने वाले मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली

टीम में सभ्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कॉटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व थंडीव अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष किंज शामिल थे।

प्रदेश के इन क्षेत्रों में की गई है धान की सीधी बिजाई

डॉ. सत्येंद्र सिंह पूनिया ने घाताया कि भूमि जलस्वर में निरंतर गिरावट व मजदूरों की कमी के चलते चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभ्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन से प्रदेश के काफी किसानों ने सीधी बिजाई की थी। गिरावट, फलेहावाद, यसुनागर, कैशल, मासध क्षेत्र में 5 से 10 प्रतिशत क्षेत्रफल में सीधी बिजाई की गई है। सभ्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने हिसार, मिरसा, फलेहावाद, रतिया व यसुनागर के गांव महमदन के गांव यानिया व अन्य गांवों में किसानों ने अपने खेतों में 85 गई। 105 एकड़ तक धान की सीधी बिजाई की गई थी। गांव ढाणी माजरा, मामदको, मिरापुर, बाजेंगा, झोरड़ानी आदि गांवों के किसानों ने

धान की सीधी बिजाई को लेकर अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में बकाने रोग की समस्या बिल्कुल भी नहीं आई, जबकि कहूँ किए गए खेतों में बीज उत्तम के बावजूद यह समस्या देखने को मिली है। किसानों ने यह भी बताया कि अगले साल से वे सारे खेत में धान की सीधी बिजाई ही करें।

पानी के साथ-साथ पैसे की भी बचत किसानों के अनुसार प्रदेश सरकार की मेरा पानी मेरी विरासत योजना को धान की सीधी बिजाई सार्थक सिद्ध कर रही है। धान की सीधी बिजाई से न केवल धान की पीढ़ी तैयार करने से रोगाई तक के सुरक्षा की लागत जो कि करीब 5000 से 7000 रुपये प्रति एकड़ है, वह बच जाती है अतिक्रम पैदावार भी कम नहीं होगी। इसके अलावा सीधी बिजाई वाले खेतों में 20 से 30 प्रतिशत तक पानी की भी बचत होती है। जिन किसानों ने पहले सीधी बिजाई की थी और किसी आशक के चलते दोबारा से खेत तैयार कर कहूँ विधि द्वारा रोगाई की थी, वे अब अगले वर्ष धान की सीधी बिजाई करने के पक्ष में हैं।

धान की सीधी बिजाई का करें अवलोकन: प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आल्यान किया है कि उन्होंने स्वयं थेंगी अनुसंधान संस्थान करनाल में धान की सीधी बिजाई पर कई वर्षों तक अनुसंधान कार्य किया है तथा किसानों के खेतों में धान की सीधी बिजाई करवाई है। इसके कार्यदों को देखते हुए उन्होंने सभी किसानों से अनुरोध किया है कि वे अपने गांव या आस-पास के क्षेत्र में सीधी बिजाई वाले धान के खेतों का अवलोकन करें तथा इसके फायदे जानें। गिरावट जल स्तर व धान उत्पादन की बढ़ती लागत को घायल में रखते हुए उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि अगले साल ज्यादा से ज्यादा धान की सीधी बिजाई करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक ३.१.२०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आज से

पल पल न्यूज़: हिसार, ३ सितम्बर। उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन ४ से ६ सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरुद, अनार, किन्नू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी परस.....

दिनांक ३. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... । कॉलम.....

उपोष्ण कटिबंधीय फलों में 'आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार कल से

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन ४ से ६ सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे।

यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का

आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा।

वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरुल, अनार, किनू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस वेबिनार में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

हैलो हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ३. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... १ कॉलम.....

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम : डॉ. सतबीर सिंह पूनिया

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया गया, जिसमें यह बात निकलकर

**कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा कर दी
जानकारी**

सामने आई है। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पुनिया ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के



निर्देशानुसार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जहां धान की सीधी बिजाई की गई है, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दौरा किया गया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने कट्टू करने की बजाए धान की सीधी बिजाई की थी और समय पर ठीक से देखभाल की थी, वे किसान खुश थे। उन किसानों का

कहना था कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कहू किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली टीम में सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष कंबोज शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सन्प कृषि.....

दिनांक ५. १. २०२० पृष्ठ संख्या..... १ कॉलम.....

'उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर वेबिनार 4 से

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। एमएवयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति ग्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएवयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। इस वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... सभूषण

दिनांक ३. ९. २५२० पृष्ठ संख्या कॉलम.....

हक्कुवि में 'उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार कल से

हिसार। उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरुद, अनार, किनू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पात्र वर्जी

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ..3-9-2020 पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

'उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार 4 सितम्बर से

हिसार : उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरूद, अनार, किनू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक ३. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार 4 सितम्बर से

हिसार | उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरूद, अनार, किन्नू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

नियन्त्रित संख्या.....

दिनांक १५. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

'उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर हक्कवि में ऑनलाइन वेबिनार कल से

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज में चौधरी चरण सिंह हरियाणा प्रदेश के प्रगतिशील किसान हिसार। उपोष्ण कटिबंधीय फलों कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में आधुनिक उत्पादन तकनीक महाराणा प्रताप बागवानी में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन विश्वविद्यालय, करनाल के आम, लीची, अमरुद, अनार, वेबिनार का आयोजन 4 से 6 कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर किन्नू आदि की अग्रिम खेती, सितम्बर तक किया जाएगा। मुख्यातिथि शामिल होंगे। उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के वेबिनार में भारतीय कृषि विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बाद संरक्षण एवं रख-रखाव अनुसंधान परिषद के विभिन्न विजय अरोड़ा ने बताया कि इस संबंधी आधुनिक तकनीकों की वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि जाएंगे। यह जानकारी देते हुए उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व से किया जाएगा। वेबिनार में वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. विभिन्न विश्वविद्यालयों के अजय यादव ने बताया कि वेबिनार विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व वैज्ञानिक, देश व भी शामिल होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रौनक ईरपुणा.....

दिनांक ..३: १: २०२०.....पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

'उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार 4 सितम्बर से

September 3, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार : 3 सितम्बर

उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के नागरिकीय क्षेत्र और आग्रह वाले। नेत्रियार में जागेंगा



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

जन। अ।

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ३. ९. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

जानकारी कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा कर दी जानकारी धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम : डॉ. सतबीर

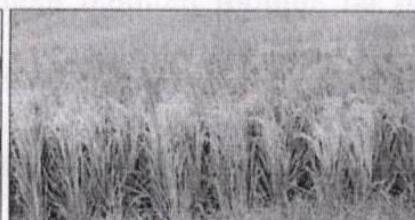
जगमार्ग न्यूज़

हिसार प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया, जिसमें यह बात निकलकर सामने आई है।

विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि कूलपति प्रो. समर सिंह के निर्देशन-नुसार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जहां धान की सीधी बिजाई की गई है, कृषि वैज्ञानिकों ने दौरा किया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने कहूँ करने की बजाए धान की सीधी बिजाई की



सीधी बिजाई वाले धान के खेतों का विश्वविद्यालय करते हुए क्षेत्र के विशेषज्ञ व खेतों में खड़ा सीधी बिजाई का धान।



सिंह, डॉ. मनजीत व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष कंबोज शामिल थे। डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि भूमि जलमत्र में निरंतर गिरावट व मजदूरों की कमी के चलते हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन से प्रदेश के काफी किसानों ने सीधी बिजाई की थी। रतिया, फतेहाबाद, यमुनानगर, कैथल, असंध

झोरड़ानाली आदि गांवों के किसानों ने धान की सीधी बिजाई को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में बकाने रोग की समस्या बिल्कुल भी नहीं आई, जबकि कहूँ किए गए खेतों में बीज उपचार के बावजूद वह समस्या देखने को मिली है। किसानों ने यह भी बताया कि अगले साल से वे सारे खेत में धान की सीधी बिजाई ही करेंगे। किसानों के अनुसार प्रदेश सरकार की पेशा यानी मेरी विरासत योजना को धान की सीधी बिजाई सार्वकाम मिठ कर रही है। धान की सीधी बिजाई से न कंबल धान की पौध तैयार करने से रोपाई तक के खर्च की लागत जो कि करीब 5000 से 7000 रुपये प्रति एकड़ है, वह बच जाती है बाइंक पैदावार भी कम नहीं होगी।